Animal Bites and Scratches

If your child is bitten or scratched by an animal, the wound can get infected. Clean the wound right away and get medical help as soon as possible. Even if the animal is your family pet, you should follow these steps:

1. Wash the wound well with soap and water.
2. Put pressure on the area to stop the bleeding.
3. When bleeding stops, put an antibiotic cream such as Neosporin on the wound.
4. Cover the bite or scratch with a clean bandage.
5. Get medical help the same day if possible.

Human bites should receive the same first aid and prompt medical attention as an animal bite.

Your child will be given a tetanus vaccine if he or she has not had one in the past 5 years.

Follow the treatment your child's doctor orders. Each day, until the wound heals, remove the bandage and check the wound. Clean the wound with soap and water each day and put on a clean bandage until the wound heals.

Call your child's doctor if:

- The wound is red, swollen, warm to the touch, or more painful.
- There is more drainage or a bad odor from the wound.
- Your child has a fever over 101 degrees F by mouth.

जानवरों द्वारा काटना या खरोंच लगाना

अगर कोई जानवर आपके बच्चे को काटता या खरोंच लगाता है, तो जख्म में संक्रमण हो सकता है। जख्म को तुरंत साफ करें और जितनी जल्दी संभव हो चिकित्सकीय सहायता प्राप्त करें। अगर जानवर आपके परिवार का पालतू भी हो, तो आपको इन चरणों का पालन करना चाहिए :

1. जख्म को साबुन और पानी से अच्छी तरह धो लें।
2. खून बहना रोकने के लिए उस जगह को दबाएं।
3. जब खून बहना बंद हो जाए, तो जख्म पर निओस्पोरिन जैसी एंटीबायोटिक क्रीम लगाएं।
4. काटी हुई या खरोंच वाली जगह को एक साफ बैंडेज से ढक दें।
5. यदि संभव हो तो उसी दिन चिकित्सकीय सहायता प्राप्त करें।

इंसान द्वारा काटे जाने पर भी वही प्राथमिक उपचार और तत्काल चिकित्सकीय सहायता मिलनी चाहिए जो जानवर के काटने पर ली जाती है।

आपके बच्चे को अगर पिछले 5 वर्षों में टिटनेस का कोई टीका नहीं लगा है तो उसे यह टीका लगाया जाएगा।

आपके बच्चे का डॉक्टर जो उपचार देने को कहे उसका पालन करें। जख्म के ठीक होने तक, हर दिन बैंडेज हटाएं और घाव की जांच करें। जख्म को हर दिन साबुन और पानी से साफ करें और इस पर साफ बैंडेज लगाएं, जब तक कि जख्म ठीक न हो जाए।

यदि इनमें से कुछ हो तो अपने बच्चे के डॉक्टर को फोन करें :

- जख्म लाल हो, सूजा हुआ हो, छूने पर गर्म लगता हो, या ज्यादा दर्द करे।
- जख्म ज्यादा रिसता हो या इससे दुर्गंध आए।
- आपके बच्चे को मुंह से मापने पर 38° C (101° F) से अधिक बुखार हो।

What to do about the animal:

Call your doctor **right away** if you do not know the owner of the animal that bit your child. The animal may have rabies. If the animal was tame, try to find its owner. Find out if the animal has had shots for rabies, and the date the shots were done. If possible, put the animal in a fenced area away from people and other animals for 10 days. Watch for any changes in behavior.

Do not try to cage a vicious or wild animal. Call the police or animal control department.

A child who has been bitten by a bat or has slept in a room with one **must see a doctor**.

Safety Around Animals

Teach your child to be safe around animals. Here are some safety tips to teach your child:

- Never bother an animal when it is eating.
- Do not pull on your pet's ears or tail.
- Pick up your pets slowly.
- Wash your hands after petting an animal.
- Do not feed wild animals or animals you do not know.
- Young children should not put their hands in an animal's tank or cage.
- Tell an adult if you are bitten by an animal.
- Keep pets on a leash.

जानवर के विषय में क्या करें :

जिन जानवर ने आपके बच्चे को काटा है, यदि आप उसके मालिक के बारे में नहीं जानते तो **तत्काल** अपने डॉक्टर को फोन करें। जानवर को रेबीज (जलातंक) हो सकता है। यदि जानवर पालतू था, तो उसके मालिक को ढूंढ़ने की कोशिश करें। पता लगाएं कि क्या जानवर को रेबीज के इंजेक्शन लगे थे या नहीं, और किस तारीख को लगे थे। यदि संभव हो, तो जानवर को किसी बाड़दार जगह में लोगों और दूसरे जानवरों से 10 दिनों के लिए दूर रखें। उसके व्यवहार में आने वाले बदलावों पर नजर रखें।

किसी खूंखार या जंगली जानवर को पिजड़े में बंद करने की कोशिश न करें। पुलिस या जानवर नियंत्रण विभाग को कॉल करें।

चमगादड़ द्वारा काटे गए या चमगादड़ वाले कमरे में सोए बच्चे को **जरूर किसी डॉक्टर को दिखाना चाहिए।**

जानवरों के आस–पास सुरक्षा

अपने बच्चे को जानवर के आस–पास सुरक्षित रहना सिखाएं। आपके बच्चे को सिखाने के लिए यहां सुरक्षा संबंधी कुछ नुस्खे दिए गए हैं :

- भोजन करते हुए किसी जानवर को कभी परेशान न करें।
- अपने पालतू जानवर के कान या पूंछ न खींचें।
- अपने पालतू जानवर को धीरे–से उठाएं।
- जानवर को दुलार करने के बाद अपने हाथ धोएं।
- जंगली जानवरों या अनजान जानवरों को खाना न खिलाएं।
- छोटे बच्चों को जानवर के टैंक या पिजड़े में अपने हाथ नहीं डालने चाहिए।
- यदि आपको कोई जानवर काट ले तो किसी वयस्क को बताएं।
- पालतू जानवरों को पट्टे से बांधकर रखें।

If a dog is threatening:

- **Never scream and run.**
- **Stand very still** with hands at your sides. **Avoid eye contact** with the dog. When the dog loses interest in you, slowly back away until he is out of sight.
- If the dog does attack, place your jacket, book bag, or anything you can between you and the dog.
- If you fall or are knocked to the ground, curl into a ball with your hands over your ears and do not move. Try not to scream or roll around.
- Always **walk away** if a dog is growling or begins to growl when approached. **Never run!**

2/2008. Developed through a partnership of The Ohio State University Medical Center, Mount Carmel Health and OhioHealth, Columbus, Ohio. Available for use as a public service without copyright restrictions at **www.healthinfotranslations.org**.

अगर कोई कुत्ता डरा रहा हो :

- **कभी भी न तो चिल्लाएं और न ही दौड़ें।**
- अपने हाथों को अपनी बगलों में रखकर **एकदम स्थिर खड़े रहें।** कुत्ते से **नजर न मिलाएं।** जब कुत्ता आपमें दिलचस्पी लेना बंद कर दे, तो धीरे–धीरे पीछे चलते जाएं जब तक कि वह नजरों से ओझल न हो जाए।
- अगर कुत्ता हमला करे, तो अपनी जैकेट, किताबों का बैग, या जो कुछ भी आपके पास हो उसे अपने और कुत्ते के बीच ले आएं।
- अगर आप गिर जाएं या जमीन पर गिरा दिए जाएं, तो अपने हाथों को अपने कानों के ऊपर रखकर किसी गोल चीज की तरह गुड़ी–मुड़ी हो जाएं और हिलें–डुलें नहीं। न चिल्लाने और न लुढ़कने की कोशिश करें।
- अगर कोई कुत्ता गुर्रा रहा हो या आपके पास जाने पर गुर्राये तो हमेशा उससे **दूर चले जाएं। कभी भी दौड़ें नहीं!**

2/2008. Developed through a partnership of The Ohio State University Medical Center, Mount Carmel Health and OhioHealth, Columbus, Ohio. Available for use as a public service without copyright restrictions at **www.healthinfotranslations.org**.